बालाजी मेरी राम प्रभु तं एक मीटिंग करवा दे न

बालाजी मेरी राम प्रभु तं,
एक मीटिंग करवा दे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।bd।

सबरी की ज्युं व्याकुल सुँ,
देखुं राम दरबार मैं-2,
लखन लाल और मात सीया का,
चाँहु सुँ दीदार मैं,
जन्म जन्म के बंधन कटज्यां,
मुक्ति मन्नै दिवादे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।bd।

राम नाम की मस्ती चढ़ रही,
चित्रकुट तक घुम आया-2,
एक छोटी सी आश जगा क,
मन मेरा मेंहदीपुर लाया,
जब मानु हनुमान तन्नै,
सेवक की पीड़ मिटा दे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।bd।

मन में भाव लगन और श्रध्दा,
देख मेरा हो सादापन-2,
सीताराम राम मेरे आवं,
याहे रहती मेर: लगन,
टुटे ना विस्वास अटल,
चरणां बीच जगाह दे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।bd।

अशोक भक्त ने सोच लेयी स,
हरिभज़न बिन के जीणा-2,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सीया राम की भक्ति करणी,
बाबा राम रस यो पीणा,
राजपाल दुख पा ज्यागा,
मन का भ्रम मिटादे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।bd।

बालाजी मेरी राम प्रभु तं,
एक मीटिंग करवा दे न,
तेरे भवन के सयामी रहते,
सिर प हाथ धरा दे न।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार खरक जाटान,
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com